अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवम् 15 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 15 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं.

गूढसंख्या
कोड नं. **67/S/A**

VEDA ADHYAYAN
वेदाध्ययनम्
वेद अध्ययन
(245)

स्तबकः/सेट **A**

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. ____________________

2. ____________________

सामान्या निर्देशाः/सामान्य निर्देश :

1. सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि दत्तोत्तरपुस्तके एव लिखन्तु।
   सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
2. प्रश्नपत्रिकां पठितुं 15 निमेशाः दत्ताः। प्रश्नपत्रिका 02.15 मध्यह्ने समये दीयते। 02.15 समयतः 02.30 समयपर्यन्तं प्रश्नपत्रिकामेव छात्राः पठेयुः, एतस्मिन् समये उत्तरपत्रिकायां न किमपि उत्तरं लिखेयुः।
   इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
3. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
4. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
5. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।
6. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।
7. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।
8. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 67/S/A-A नूनं लेख्या।
   अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं. 67/S/A-A अवश्य लिखें।
9. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

VEDA ADHYAYAN
वेदाध्ययनम्
वेद अध्ययन
(245)

परीक्षासमयावधिः (Time) : होरात्रयम् (3 Hrs.)] **[पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100**

निर्देशाः

(i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20**, **[B]** भागे **15**, **[C]** भागे **6**, **[D]** भागे **6**, **[E]** भागे **4**, इति आहत्य **51** प्रश्नाः सन्ति।

(ii) **समे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः x प्रश्नाः=पूर्णाङ्काः) इति अङ्काः दीयन्ते।

(iv) **A** भागे प्र.सं. **1** तः **20** पर्यन्तं – वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकं **एकः** अंकः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकं उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु। एतेषु केषुचित् प्रश्नेषु आन्तरिकः विकल्पः प्रदत्तः अस्ति। एतादृशेषु प्रश्नेषु दत्तविकल्पेषु एकस्य एव प्रयासः करणीयः।

(v) **B** भागे प्र.सं. **21** तः **35** पर्यन्तम् – वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/ मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्–असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः **अंकद्वयात्मकः** अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vi) **C** भागे प्र.सं. **36** तः **41** पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् **अंकद्वयात्मकाः** सन्ति। ते यथानिर्देशं **30** तः **50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(vii) **D** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् **अंकत्रयात्मकाः** सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(viii) **E** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् **पञ्च** अंकात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(ix) **समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।**

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र के **[A]** भाग में **20, [B]** भाग में **15, [C]** भाग में **6, [D]** भाग में **6, [E]** भाग में **4,** कुल मिलाकर **51** प्रश्न हैं।

(ii) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के दाएँ भाग में संख्याओं (अंक x प्रश्न=पूर्णांक) में अंक दिए गए हैं।

(iv) **भाग [A]** में प्र. सं. **1-20** तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पात्मक प्रश्न (MCQs) हैं जिनमें प्रत्येक **1** अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चारों विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए और लिखिए। इनमें से कुछ प्रश्नों में एक आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्नों में दिए गए विकल्पों में से केवल एक का ही प्रयास करें।

(v) **भाग [B]** में **प्र. सं. 21-35** वस्तुनिष्ठ/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **दो** अंक हैं। उन्हें निर्देशानुसार ठीक से करें।

(vi) **भाग [C]** में **प्र. सं. 36-41** तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **दो** अंक का है। निर्देशानुसार **30-50** शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(vii) **भाग [D]** में **प्र. सं. 42-47** तक प्रत्येक **तीन** अंक के लघु प्रश्न हैं। निर्देशानुसार **50-80** शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(viii) **भाग [E]** में **प्र. सं. 48-51** तक दीर्घ उत्तरीय **5** अंक के प्रश्न हैं। निर्देशानुसार **80-100** शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(ix) **सभी प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में ही लिखना है।**

(x) अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की गूढ़संख्या अवश्य लिखें।

(xi) उत्तर-पुस्तिका पर अपना पहचान लिखना अथवा निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी अनुक्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।

(xiii) जाँचें कि क्या प्रश्न-पत्र की पृष्ठ संख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पृष्ठ पर दी संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(xiv) प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(A) प्रश्नसंख्या 1-20 बहुविकल्पाः प्रश्नाः सन्ति। **1x20=20**

प्रश्न संख्या 1-20 तक बहुविकल्पी प्रश्न हैं।

1. भारतीयाः धर्मग्रन्थाः कया भाषया लिखिताः सन्ति ? **1**

(क) आधुनिक भाषया (ख) संस्कृत भाषया (ग) ग्रीक भाषया (घ) लैटिन भाषया

भारतीय धर्मग्रंथ किस भाषा में लिखे गए हैं ?

(क) आधुनिक भाषा में (ख) संस्कृत भाषा में (ग) ग्रीक भाषा में (घ) लैटिन भाषा में

अथवा

ईरानीभाषा केन नाम्ना व्यवह्रियते ?

(क) आर्यभाषा (ख) सेमेटिकभाषा (ग) जेन्द-अवेस्ता (घ) उर्दूभाषा

ईरानी भाषा का व्यवहार में क्या नाम है ?

(क) आर्य भाषा (ख) सेमेटिक भाषा (ग) जेन्द-अवेस्ता (घ) उर्दू भाषा

2. निरुक्तकारः कः ? **1**

(क) यास्कः (ख) व्यासः (ग) पाणिनिः (घ) कात्यायनः

निरुक्तकार कौन है ?

(क) यास्क (ख) व्यास (ग) पाणिनि (घ) कात्यायन

अथवा

वेदानाम् आविर्भावः कुत्र अभवत् ?

(क) पाश्चात्यदेशे (ख) ग्रीकदेशे (ग) आर्यावर्ते (घ) लङ्कादेशे

वेदों का जन्म (आविर्भाव) कहाँ हुआ ?

(क) पाश्चात्य देश में (ख) ग्रीक देश में (ग) आर्यावर्त में (घ) लंका देश में

3. 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' इति प्रतिपादनं कस्य वेदस्य ? **1**

(क) ऋग्वेदस्य (ख) सामवेदस्य (ग) महाभारतस्य (घ) रामायणस्य

'एक सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' यह कथन किस वेद का है ?

(क) ऋग्वेद का (ख) सामवेद का (ग) महाभारत का (घ) रामायण का

अथवा

'ऋग्वेदे हि देवताः प्राणशक्तेः महत्त्वात् ....' इति उच्यते।

(क) महादेवः (ख) दानवः (ग) इन्द्रः (घ) असुरः

'ऋग्वेदे हि देवताः प्राणशक्तेः महत्त्वात् ....' यह कहा है :

(क) महादेव ने (ख) दानव ने (ग) इन्द्र ने (घ) असुर ने

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

4. वैदिकाख्याने कः प्रथमा व्यक्तिः यः यज्ञसंस्थायाः प्रथमं विस्तारं कृतवान्? 1

(क) च्यवानः (ख) उद्यालकः (ग) पुरूखाः (घ) अगस्त्यः

वैदिक आख्यान में सर्वप्रथम यज्ञ संस्था का विस्तार करने वाला पहला व्यक्ति कौन था?

(क) च्यवान (ख) उद्यालक (ग) पुरूखा (घ) अगस्त्य

अथवा

शुनः शेपस्य कः अर्थः?

(क) श्वारूपस्य (ख) वन्यजीवस्य (ग) सौख्यस्य स्तम्भः (घ) कल्याणस्य

शुनः शेप का क्या अर्थ है?

(क) श्वारूप का (ख) वन्य जीव का (ग) सौख्य का स्तंभ (घ) कल्याण का

5. इन्द्रः कं दैत्यं वज्रेण मित्वा नदीः प्रवाहयति? 1

(क) वृत्रम् (ख) हिरण्यकशिपुम् (ग) बालिम् (घ) पुलिन्दम्

इन्द्र ने किस दैत्य को वज्र से मार कर नदी में प्रवाहित किया?

(क) वृत्र को (ख) हिरण्यकशिप को (ग) बालि को (घ) पुलिन्द को

अथवा

आत्रेयी-कपालयोः आख्यानं कस्य विशदं प्रतिपादनम् अस्ति?

(क) उपदेशस्य (ख) सङ्गीतस्य (ग) नारीचरित्रस्य (घ) वैराग्यस्य

'आत्रेयी-कपालयोः' आख्यान (कथा) में किसका विस्तृत वर्णन है?

(क) उपदेश का (ख) संगीत का (ग) नारी चरित्र का (घ) वैराग्य का

6. नैयायिकानां मते वेदाः केन रचिताः? 1

(क) याज्ञवल्क्येन (ख) विश्वामित्रेण (ग) परमपुरुषेण (घ) मनुना

नैयायिको के अनुसार वेदों की रचना किसने की?

(क) याज्ञवल्क्य ने (ख) विश्वामित्र ने (ग) परम पुरुष ने (घ) मनु ने

अथवा

यास्कमते ऋषिशब्दस्यार्थः अस्ति –

(क) तपस्वी (ख) मन्त्रद्रष्टा (ग) त्रिकालज्ञः (घ) उपदेशकः

यास्क के मत में ऋषि शब्द का अर्थ है :

(क) तपस्वी (ख) मन्त्रद्रष्टा (ग) त्रिकालज्ञ (घ) उपदेशक

7. वेदः ऋषिगणकर्तृकः दृष्टः अतः सांख्यमते वेदः – 1

(क) पौरुषेयः (ख) अपौरुषेयः (ग) नित्यः (घ) गुरुपदेशः

वेद ऋषियों का कर्त्ता हैं, दृष्टा हैं इसलिए सांख्य मत के अनुसार वेद :

(क) पुरुषोचित (ख) पुरुषों के अनुचित (ग) नित्य (घ) गुरुपदेश

अथवा

सहस्रवर्त्मा वेदः कः?

(क) ऋग्वेदः (ख) यजुर्वेदः (ग) सामवेदः (घ) अथर्ववेदः

सहस्रवर्त्मा वेद कौन सा है?

(क) ऋग्वेद (ख) यजुर्वेद (ग) सामवेद (घ) अथर्ववेद

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

8. होमयागस्य अपरं नाम किम्? 1

(क) प्रकृतियाग: (ख) विकृतियाग: (ग) दर्वीहोम: (घ) आहुति:

होमयाग का दूसरा नाम क्या था?

(क) प्रकृतियाग (ख) विकृतियाग (ग) दर्वीहोम (घ) आहुति

अथवा

ब्राह्मण: प्रत्यहं किं कुर्यात्?

(क) अग्निहोत्रम् (ख) प्रार्थना (ग) तप: (घ) पुरोहितकर्म

ब्राह्मण प्रतिदिन क्या करें?

(क) अग्निहोत्र (ख) प्रार्थना (ग) तप (घ) पुरोहित कर्म

9. इष्टियागस्य प्रकृति: का? 1

(क) पूर्णिमा (ख) आहिताग्नि: (ग) दर्शपूर्णमास: (घ) अनुष्ठानम्

इष्टियाग की प्रकृति क्या है?

(क) पूर्णिमा (ख) आहिताग्नि (ग) दर्शपूर्णमास (घ) अनुष्ठान

अथवा

अग्निष्टोमे मुख्या आहुति: का?

(क) युपदारु (ख) सोमरस: (ग) घृतम् (घ) ओषधि:

अग्निष्टोम में मुख्य आहुति क्या है?

(क) वेदी की लकड़ी (ख) सोमरस (ग) घी (घ) ओषधि

10. 'बृहद्देवता-ग्रन्थ:' केन रचित:? 1

(क) शौनकेन (ख) विश्वामित्रेण (ग) मनुना (घ) याज्ञवल्क्येन

'बृहद्देवता ग्रन्थ' की रचना किसने की?

(क) शौनक ने (ख) विश्वामित्र ने (ग) मनु ने (घ) याज्ञवल्क्य ने

अथवा

जैमिने: मते देवताया: आकारत्वप्रश्ने किं मतम्?

(क) यज्ञरूपम् (ख) क्रतुरूपम् (ग) मन्त्रमयी देवता (घ) ग्रहदेवता

देवताओं के आकार के प्रश्न में जैमिनी का क्या मत है?

(क) यज्ञरूप (ख) क्रतुरूप (ग) मन्त्रमयी देवता (घ) ग्रह देवता

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

11. वृत्रस्य हन्ता क: ? **1**

(क) इन्द्र: (ख) रुद्र: (ग) विष्णु: (घ) वरुण:

वृत्र का हत्यारा कौन है ?

(क) इन्द्र (ख) रुद्र (ग) विष्णु (घ) वरुण

अथवा

अम्बकत्रयस्य विद्यमानत्वात् रुद्र: क: उच्यते ?

(क) अम्बकत्रय: (ख) त्र्यम्बक: (ग) अम्बकत्राता (घ) त्र्यम्बकम्

अम्बकत्रय (तीन लोचन) होने से रुद्र को किस नाम से पुकारा जाता है ?

(क) अम्बकत्रय (ख) त्र्यम्बक: (ग) अम्बकत्राता (घ) त्र्यम्बकम्

12. मन्त्रे 'भद्रा:' इत्यस्य क: अर्थ: ? **1**

(क) शोका: (ख) कल्याणा: (ग) देवा: (घ) विघ्ना:

मन्त्र में 'भद्रा:' इसका क्या अर्थ है ?

(क) शोक (ख) कल्याण (ग) देवता (घ) विघ्न (बाधा)

13. 'समानी व आकूति:' अत्र 'आकूति:' शब्दस्य कोऽर्थ: ? **1**

(क) सङ्कल्प: (ख) मति: (ग) धैर्यम् (घ) संपत्ति:

'समानी व आकूति:' यहाँ 'आकूति:' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) संकल्प (ख) मति (ग) धैर्य (घ) संपत्ति

14. 'ऋतावरी दिवो अर्कै:' अत्र 'ऋतावरी' शब्दस्य कोऽर्थ: ? **1**

(क) सरस्वती (ख) सत्यवती (ग) धनवती (घ) कृतवती

'ऋतावरी दिवो अर्कै:' यहाँ 'ऋतावरी' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) सरस्वती (ख) सत्यवती (ग) धनवती (घ) कृतवती

15. 'चरन् वै मधु विन्दति' अत्र 'मधु' शब्दस्य कोऽर्थ: ? **1**

(क) मिष्ठान्नम् (ख) रसम् (ग) श्रेयोवस्तु (घ) घृतम्

'चरन् वै मधु विदन्ति' यहाँ 'मधु' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) मिष्ठान (ख) रस (ग) श्रेयवस्तु (घ) घी

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

16. 'ऊर्मिः' इत्यस्यार्थः कः ? 1

(क) तरङ्गः (ख) भूमिः (ग) नदी (घ) गतिः

'ऊर्मिः' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) तरंग (ख) भूमि (ग) नदी (घ) गति

17. 'तेजस्वी' अत्र तेजस् शब्दात् कः प्रत्ययः ? 1

(क) इन् (ख) विनि (ग) ईन् (घ) ई

'तेजस्वी' यहाँ 'तेजस्' शब्द के साथ कौन-सा प्रत्यय है ?

(क) इन् (ख) विनि (ग) ईन् (घ) ई

18. 'शिरस्' शब्दस्य 'शीर्षन्' इति केन निपात्यते ? 1

(क) शेश्छन्दसि बहुलम् (ख) शीर्षश्छन्दसि

(ग) वा छन्दसि (घ) खिदेश्छन्दसि

शिरस् शब्द को 'शीर्षन्' यह किस निपातन से होता है ?

(क) शेश्छन्दसि बहुलम् (ख) शीर्षश्छन्दसि

(ग) वा छन्दसि (घ) खिदेश्छन्दसि

19. छन्दसि द्वन्द्वे लोके-'पितरौ' इतिस्थाने किं रूपं निपात्यते ? 1

(क) मातापितरौ (ख) पितरामातरौ (ग) पितरामातरा (घ) पितरौमातरा

द्वन्द्व छंद में लोके – 'पितरौ' इस स्थान पर कौन सा रूप निपातन होता है ?

(क) माता पितरौ (ख) पितरामातरौ (ग) पितरामातरा (घ) पितरौमातरा

20. 'देव + जस् → अस्' इति स्थितौ 'आज्जसेरसुक्' (7.1.50) इति सुत्रेण क आगमः भवति ? 1

(क) असुक् (ख) आसुक् (ग) आसन् (घ) आस्

'देव + जस् → अस्' इस स्थिति में 'आज्जसेरसुक' (7.1.50) इस सूत्र से किसका आगम होता है ?

(क) असुक् (ख) आसुक् (ग) आसन् (घ) आस्

अथवा

भाषायाम् इति शब्दस्य कोऽर्थः ?

(क) वैदिकसंस्कृते (ख) लौकिकसंस्कृते (ग) प्राकृतभाषायाम् (घ) पालिभाषायाम्

'भाषायाम्' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) वैदिक संस्कृत (ख) लौकिक संस्कृत (ग) प्राकृत भाषा (घ) पालि भाषा

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(B) प्रश्नसंख्या 21-35 वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य कृते अङ्कद्वयम् निर्धारितम् अस्ति। **2x15=30**

प्रश्न संख्या 21-35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित हैं।

21. अधोलिखितेषु कथनेषु कयोरपि **द्वयोः** सम्यक् उत्तरं चिनोतु। **1+1=2**

(i) आर्यभाषा पाश्चात्य-पौरस्त्यभेदेन द्विविधा। (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) 'निघण्टु' शब्दस्यार्थो भवति 'शब्दानां सूची'। (सत्यम्/असत्यम्)

(iii) मातृदेवो भव, पितृदेवो भव, इत्यादीनि वाक्यानि तैत्तरीयोपनिषदि वर्तन्ते। (सत्यम्/असत्यम्)

(iv) स्वामिदयानन्दानुसारं वेदेषु सर्वेशब्दाः यौगिकाः एव। (सत्यम्/असत्यम्)

निम्नलिखित कथनों में से **किन्हीं दो** के उत्तर चुनिए।

(i) आर्यभाषा के पाश्चात्य-पौरस्त्य दो भेद हैं। (सत्य/असत्य)

(ii) 'निघण्टु' शब्द का अर्थ होता है - शब्दों की सूची। (सत्य/असत्य)

(iii) 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव' आदि वाक्य तैत्तरीय उपनिषद में हैं। (सत्य/असत्य)

(iv) स्वामी दयानन्द के अनुसार वेदों में सभी शब्द यैगिक हैं। (सत्य/असत्य)

22. कयोरपि **द्वयोः** सम्यक् उत्तरं चिनोतु। **1+1=2**

(i) राजा पुरूखः उर्वश्याः पणत्रयं सहर्षं स्वीकृतवान्। (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) मीमांसकाः वेदस्य पौरुषेयत्वं प्रतिपादयन्ति। (सत्यम्/असत्यम्)

(iii) पशूनाम् आहूतये यूपदारु अपेक्ष्यते। (सत्यम्/असत्यम्)

(iv) दर्श शब्दस्य अर्थः सूर्येन्दुसङ्गमः। (सत्यम्/असत्यम्)

किन्हीं दो के सही उत्तर चुनिए।

(i) राजा पुरूख ने उर्वशी की तीनों शर्तें खुशी से स्वीकार की। (सत्य/असत्य)

(ii) मीमांसकवादी वेदों के पौरुष का प्रतिपादन करते हैं। (सत्य/असत्य)

(iii) पशुओं की आहुति के लिए वेदी की लकड़ी की अपेक्षा होती है। (सत्य/असत्य)

(iv) 'दर्श' शब्द का अर्थ 'सूर्येन्दुसङ्गमः' है। (सत्य/असत्य)

23. कयोरपि **द्वयोः** कथनयोः सम्यक् उत्तरं चिनोतु। **1+1=2**

(i) वेदितव्यं दैवतं हि मन्त्रे मन्त्रे प्रयत्नतः। (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) यास्कस्यमतेन सर्वेषां देवानां मूलम् अग्निः एव। (सत्यम्/असत्यम्)

(iii) ऋग्वेदस्य आदिमं सूक्तम् 'अग्निसूक्तम्' अस्ति। (सत्यम्/असत्यम्)

(iv) रुद्राध्यायः अथर्ववेदे वर्तते। (सत्यम्/असत्यम्)

किन्हीं दो कथनों के सही उत्तर चुनिए।

(i) वेद के प्रतिमन्त्र के देवता का ज्ञान प्रयत्नपूर्वक अर्जित करना चाहिए। (सत्य/असत्य)

(ii) यास्क के अनुसार अग्नि सभी देवताओं का मूल है। (सत्य/असत्य)

(iii) ऋग्वेद का पहला सूक्त 'अग्नि सूक्तम्' है। (सत्य/असत्य)

(iv) रुद्राध्याय अथर्ववेद में है। (सत्य/असत्य)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

24. कयोश्चित् **द्वयोः** कथनयोः सम्यक् उत्तरं चिनोतु। **1+1=2**

(i) सूर्यसूक्तस्य कुत्सः ऋषिः, त्रिष्टुप् छन्दः, सूर्यश्चदेवता। (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) विततम् – विपूर्वकात् तन् धातोः क्त प्रत्यये रूपम्। (सत्यम्/असत्यम्)

(iii) असति–अस् धातोः लटि, प्रथमपुरुषैकवचने रूपम् (वैदिकम्)। (सत्यम्/असत्यम्)

(iv) संज्ञान सूक्ते परस्परं सौहार्दस्य कामना क्रियते। (सत्यम्/असत्यम्)

किन्हीं दो कथनों के सही उत्तर चुनिए।

(i) कुत्स ऋषि, त्रिष्टुप छन्द और सूर्यदेवता सूर्य सूक्त के हैं। (सत्य/असत्य)

(ii) विततम् – विपूर्वका तन् धातु, क्त प्रत्यय से रूप बनता है। (सत्य/असत्य)

(iii) असति – में अस् धातु, लटि, प्रथम पुरुष, एकवचन रूप है (वैदिकम्)। (सत्य/असत्य)

(iv) संज्ञान सूक्त में परस्पर सौहार्द की कामना की गई है। (सत्य/असत्य)

25. सम्यक् उत्तरं चिनोतु – **1+1=2**

(i) यः पुष्टिदाता पोषकश्च स एव पूषा–शब्देन उच्यते। (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) 'उषस्' शब्दस्य अर्थो भवति प्रकाशमाना देवी इति। (सत्यम्/असत्यम्)

उचित उत्तर चुनिए।

(i) जो पुष्टि दाता है और पोषण देता है, उसे ही 'पूषा' शब्द से पुकारा जाता है। (सत्य/असत्य)

(ii) 'उषस्' शब्द का अर्थ होता है – प्रकाशमाना देवी। (सत्य/असत्य)

26. कयोरपि **द्वयोः** सम्यक् उत्तरं चिनोतु – **1+1=2**

(i) ऋग्वेदस्य पञ्चममण्डलस्य अशीतितमम् उषस्सूक्तम्? (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) 'रोचना' – रुच् धातोः ल्युट् प्रत्यये टाप् प्रत्यये च रूपम्। (सत्यम्/असत्यम्)

(iii) अस्थात् – स्थाधातोः लङ्लकारे प्रथम पुरुषस्य बहुवचने रूपम्। (सत्यम्/असत्यम्)

(iv) ऋतावरी इयम् उषा दिवः अर्कैः ज्ञायते। (सत्यम्/असत्यम्)

किन्हीं दो के उचित उत्तर चुनिए।

(i) ऋग्वेद के पाँचवे मंडल का अस्सीवाँ सूक्त उषा सूक्त है। (सत्य/असत्य)

(ii) 'रोचना' – रुच धातु, ल्युट् प्रत्यय और टाप् प्रत्यय से रूप बनता है। (सत्य/असत्य)

(iii) 'अस्थात्' – स्था धातु, लङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन रूप है। (सत्य/असत्य)

(iv) उषा देवी द्युलोक से फैले हुए तेज के रूप में जानी जाती है। (सत्य/असत्य)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

27. कयोरपि **द्वयोः** सम्यक् उत्तरं चिनोतु – **1+1=2**

(i) नानाश्रान्ताय श्रीः भवति, अतः चरैवेति इन्द्रः रोहितम् उवाच। (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) अजीगर्तस्य एक एव पुत्रः आसीत्। (सत्यम्/असत्यम्)

(iii) प्रधान रूपेण वेदो द्विविधः मन्त्ररूपः ब्राह्मणरूपः च। (सत्यम्/असत्यम्)

(iv) शुनःशेपेन स्तूयमानः इन्द्रः तस्मै मनसा सुवर्णमयं रथं दत्तवान्। (सत्यम्/असत्यम्)

किन्हीं दो के उचित उत्तर दीजिए।

(i) विभिन्न थकावटों के लिए (चलते रहने से) समृद्धि होती है, इसलिए चरैवेति (चलते रहो), इन्द्र ने रोहित से कहा। (सत्य/असत्य)

(ii) अजीगर्त का केवल एक पुत्र था। (सत्य/असत्य)

(iii) वेद अपने मुख्य रूप में दो प्रकार के हैं – मंत्र रूप और ब्राह्मण रूप। (सत्य/असत्य)

(iv) शुनःशेपेन स्तूयमान, इन्द्र ने उसे मन से स्वर्णमयी रथ दिया। (सत्य/असत्य)

28. कयोरपि **द्वयोः** कथनयोः सम्यक् उत्तरं चिनोतु – **1+1=2**

(i) अजीगर्तः सूयवसस्य मित्रम् आसीत्। (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) अयं विश्वामित्रो जन्मना क्षत्रियः सन् तपसा ब्राह्मण्यं प्राप्तवान्। (सत्यम्/असत्यम्)

(iii) विश्वामित्रस्य एकशतं पुत्राः आसन्। (सत्यम्/असत्यम्)

(iv) शुनः शेपः स्वपितुः क्रूरगं दृष्ट्वा विश्वामित्रस्य पुत्रत्वं स्वीकृतवान्। (सत्यम्/असत्यम्)

किन्हीं दो के उचित उत्तर दीजिए।

(i) अजीगर्त सूयवस का मित्र था। (सत्य/असत्य)

(ii) विश्वामित्र जन्म से क्षत्रिय थे, तपस्या से उन्होंने ब्राह्मणत्व प्राप्त किया। (सत्य/असत्य)

(iii) विश्वामित्र के एक सौ पुत्र थे। (सत्य/असत्य)

(iv) शुन शेप ने अपने पिता की क्रूरता को देखकर विश्वामित्र के पुत्रत्व को स्वीकार कर लेता है। (सत्य/असत्य)

29. कयोरपि **द्वयोः** सम्यक् उत्तरं चिनोतु – **1+1=2**

(i) पर्वतक्रोडात् निर्गच्छन्त्यौ विपाट्-शुतुद्रयौ महता वेगेन प्रवहतः। (सत्यम्/असत्यम्)

(ii) कुशिकपुत्रः क्षणाय स्वगतिरोद्धुं शुतुद्रीम् आहूतवान। (सत्यम्/असत्यम्)

(iii) रुद्रः वज्रेण वृत्रं (मेघं) हतवाम्। (सत्यम्/असत्यम्)

(iv) प्राचीनकाले विश्वामित्रः राज्ञः सुदासस्य पुरोहितः आसीत्। (सत्यम्/असत्यम्)

किन्हीं दो के सही उत्तर दीजिए।

(i) विपाट् – शुतुद्री पर्वतों की गोद से निकलकर तीव्र-गति से बहती हैं। (सत्य/असत्य)

(ii) कुशिक पुत्र क्षण के लिए अपनी गति रोककर शुतुद्री के पास आया। (सत्य/असत्य)

(iii) रुद्र ने वज्र से वृत्रं (मेघ) को मार डाला। (सत्य/असत्य)

(iv) प्राचीन काल में विश्वामित्र के राज्य में सुदास का पुरोहित था। (सत्य/असत्य)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

30. सूत्रोदाहरणं मेलयत। **2**

(i) ऋतश्छन्दसि बहुप्रजाः

(ii) बहुप्रजाश्छन्दसि उभयतोदतः प्रतिग्रह्णाति

सूत्र का उदाहरण से मिलान कीजिए।

(i) ऋतश्छन्दसि बहुप्रजाः

(ii) बहुप्रजाश्छन्दसि उभयतोदत्तः प्रतिगृह्णाति

31. सूत्रोदाहरणं मेलयत। **2**

(i) ह्रस्वाच्चन्द्रोत्तर पदे मन्त्रे अभीषुणः

(ii) इकः सुञि हरिश्चन्द्रः

सूत्र का उदाहरण से मिलान कीजिए।

(i) ह्रस्वाच्चन्द्रोत्तर पदे मन्त्रे अभीषुणः

(ii) इकः सुञि हरिश्चन्द्रः

32. सूत्रोदाहरणं मेलयत। **2**

(i) ई च द्विवचने अक्षीभ्याम्

(ii) श्रीग्रामण्योश्छन्दसि श्रीणाम्

सूत्र का उदाहरण से मिलान कीजिए।

(i) ई च द्विवचने अक्षीभ्याम्

(ii) श्रीग्रामण्योश्छन्दसि श्रीणाम्

33. सूत्रोदाहरणं मेलयत। **2**

(i) छन्दसीरः कर्णवन्तः

(ii) अनोनुट् गीर्वान्

सूत्र का उदाहरण से मिलान कीजिए।

(i) छन्दसीरः कर्णवन्तः

(ii) अनोनुट् गीर्वान्

34. सूत्रोदाहरणं मेलयत। **2**

(i) नित्यं छन्दसि सोम्यं मधु

(ii) मये च बह्वी

सूत्र का उदाहरण से मिलान कीजिए।

(i) नित्यं छन्दसि सोम्यं मधु

(ii) मये च बह्वी

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

35. अधोलिखित-सूत्रोदाहरणानि वेदे लोके च रूपदृष्ट्या पृथक् पृथक् स्पष्टयत – (केवलं सूत्रद्वयम्) **1+1=2**

(i) बहुलं छन्दसि – देवैः, देवेभिः

(ii) मन्त्रेष्वाङ्यादेरात्मनः – त्मना देवेषु, आत्मना

(iii) जनिता मन्त्रे – जनयिता, जनिता

(iv) आङ्याजयारामुपसंख्यानम् – बाहवा, बाहुना

निम्नलिखित सूत्रों के उदाहरण वेद और लोक में स्वरूप की दृष्टि से अलग-अलग स्पष्ट कीजिए। (केवल दो सूत्रों के)

(i) बहुलं छन्दसि – देवैः, देवेभिः

(ii) मन्त्रेष्वाङ्यादेरात्मनः – त्मना देवेषु, आत्मना

(iii) जनिता मन्त्रे – जनयिता, जनिता

(iv) आङ्याजयारामुपसंख्यानम् – बाह्वा, बाहुना

(C) षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखतु। **2x6=12**

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

36. ऋषेः अजीगर्तस्य कति पुत्राः आसन्? तेषां नामानि लिखत। **2**

ऋषि अजीगर्त के कितने पुत्र थे? उनके नाम लिखिए।

अथवा

मन्त्राणां समूहः का कथ्यतो? संहितानां सङ्कलनं कः कृतवान्?

मंत्रों के समूह को क्या कहते हैं? संहिताओं का संकलन किसने किया?

37. वेदः कः? ''प्रत्यक्षेणानुमित्या वा यस्तूपायो न विद्यते। ________________'' इति कारिका पूरयत। **2**

वेद क्या है? ''प्रत्यक्षेणानुमित्या वा यस्तूपायो न विद्यते। ________________'' इस कारिका का पूर्ति कीजिए।

अथवा

'गाथिन' शब्दः कस्मै प्रयुक्तः?

'गाथिन' शब्द किसमें/किसके लिए प्रयुक्त होता है?

38. सुपां सुलुक्० इति सूत्रं पूर्णं लिखतु। **2**

सुपां सुलुक्० यह सूत्र पूरा लिखिए।

39. 'निपातस्य च' इति सूत्रेण कः आदेशो भवति? उदाहरणमपि लिखतु। **2**

'निपातस्य च' इस सूत्र द्वारा कौन-सा आदेश दिया गया है? उदाहरण भी लिखिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

40. 'विभाषा छन्दसि' इतिसूत्रस्यार्थं उदाहरणं च लिखत। **2**

'विभाषा छन्दसि' इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

अथवा

'सोमावती' इत्यस्य विग्रहः कः ?

'सोमावती' इसका विग्रह क्या है ?

41. 'पाथ्यः' अत्र प्रकृति-प्रत्ययौ कौ ? **2**

'पाथ्यः' यहाँ प्रकृति-प्रत्यय क्या है ?

(D) षट् प्रश्नाः अनतिदीर्घोत्तरैः समाधेयाः - **3x6=18**

छह प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए -

42. आर्यभाषायाः पाश्चात्यप्रभेदे काः भाषाः समायान्ति ? पौरस्त्यभेदे च के ? **3**

आर्यभाषा के पाश्चात्य प्रभाग में कौन सी भाषाएँ आती हैं और पौरस्त्य भाग में कौन सी ?

अथवा

देवताः प्रायेण केषु रूपेषु वर्तन्ते ?

देवता सामान्यतः किन रूपों में विद्यमान रहते हैं ?

43. 'ऋग्वेदे' उषसः स्वरूपं संक्षेपेण वर्णयत। **3**

ऋग्वेद में (वर्णित) उषा के स्वरूप का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

44. 'पुष्पिण्यौ चरतो जङ्घे भूष्णुरात्मा फलग्रहिः' इति मन्त्रपङ्क्तेः भावार्थ स्पष्टयत। **3**

'पुष्पिण्यौ चरतो जङ्घे भूष्णुरात्मा फलग्रहिः' इस मंत्र पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

45. 'पुत्रकामा हाप्याख्यापयेरल्लँभन्ते ह पुत्राँल्लमन्ते ह पुत्रान्' इति मन्त्रस्य शु:शेपाख्यान सम्बन्धे भावार्थं स्पष्टयत। **3**

'पुत्रकामा हाप्याख्यापयेरल्लँभन्ते ह पुत्राँल्लमन्ते ह पुत्रान्' इस मंत्र की शु:शेपाख्यान के संबंध में भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

46. 'क्त्वो यक्' (7.1.47) इति सूत्रं यथाग्रन्थं व्याख्यात। **3**

'कत्वो यक्' (7.1.47) इस सूत्र की ग्रंथ के अनुसार व्याख्या कीजिए।

47. 'ओउम् अग्निमीले पुरोहितम्' अत्र प्लुतं केन सूत्रेण ? प्लुतं च किम् ? **3**

'ओउम् अग्निमीले पुरोहितम्' यहाँ प्लुत किस सूत्र से है ? और प्लुत क्या है ?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(E) **चत्वारः प्रश्नानां दीर्घोत्तरैः समाधेयाः -** 5x4=20

चार प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए।

48. उर्वशी-पुरुखसोः उपाख्यानं स्वभाषया वर्णयत। 5

उर्वशी-पुरुखा की कथा का अपनी भाषा में वर्णन कीजिए।

अथवा

सोमयागस्य वैशिष्ट्यं स्वभाषया प्रतिपादयत।

सोमयाग की विशेषताओं को अपनी भाषा में प्रतिपादित कीजिए।

49. संज्ञानसूक्तस्य आधुनिकसमाजे उपयोगितां वर्णयत। 5

संज्ञान सूक्त की आधुनिक समाज में उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

50. 'तस्य तात्' (7.1.44) इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। 5

'तस्य तात्' (7.1.44) इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

अथवा

'मायायामण्' इतिसूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

'मायायामण्' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

51. प्लुतविधायकं किमपि सूत्रचतुष्टयं लिखित्वा तेषाम् उदाहरणानि स्पष्टयत। 5

प्लुत विधायक वाले कोई चार सूत्र लिखकर उनके उदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'पातौ च बहुलम्' इतिसूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

'पातौ च बहलम्' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

- o 0 o -

Unnati Educations
9899436384, 9654279279